प्रिय बहनों, भाईयों और प्यारे बच्चों,

मैं आज गणतंत्र दिवस की उनहत्तरवीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों सहित सभी देशवासियों एवं विदेशों में बसे भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देती हूँ।

इस साल पूरा देश और विश्व राष्ट्रपिता बापू की 150 वीं जन्म जयंती मना रहा है। पूज्य महात्मा गांधी जी ने सत्य, अहिंसा और समभाव का संदेश पूरे विश्व को दिया था। हम सब भारतवासी उसी रास्ते पर ही चल रहे हैं। डॉ.बाबा साहब अम्बेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, राजेन्द्र प्रसाद जी और लाखों भारतवासियों ने भारत को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इन सभी को मैं नमन करती हूं। शहीद भगत सिंह चन्द्रशेखर आजाद जैसे कई युवा आजादी के आंदोलन में शहीद हुए थे। इन सभी शहीदों को नमन करते हुए मैं उनका पुण्य स्मरण करती हूं।

यह पावन अवसर जन-जन से अपने मन की गहराइयों में गणतंत्र के गौरव को महसूस करने और इसे मजबूत बनाने का संकल्प लेने का है। आज ही के दिन हमारा देश संविधान को अंगीकार कर एक सार्वभौम गणतंत्र देश बना था। तब से अब तक का समय गवाह रहा है कि हम संविधान में निहित बंधुत्व, स्वतंत्रता, न्याय और समता के मूल्यों पर काम करते हुए निरंतर आगे बढे हैं। आज भारत विश्व का सबसे बडा लोकतंत्र है और इसमें हमारे संविधान की बडी भूमिका रही है और रहेगी। आज के दिन हमारा कर्तव्य बनता है कि हम एक ऐसे सर्वस्पर्शी और सर्व समावेशक देश के निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन करें, जो हमारी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक परंपराओं को अक्षुण्ण बनाये रखते हुए आज के विश्व में भारत का उच्च स्थान बना रहे।

गणतंत्र की एक बड़ी कसौटी निष्पक्ष चुनाव से संसदीय लोकतंत्र को जीवंत बनाये रखने की है। छत्तीसगढ और मध्यप्रदेश के दूरस्थ अंचलों में भी नागरिकों ने मतदान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, जो मतदाताओं की लोकतंत्र में आस्था और बढ़ती जन जागरूकता का एक प्रतीक है। इसके लिए मैं आप सभी का अभिनंदन करती हूँ तथा निर्वाचन से जुड़े समस्त पदाधिकारियोंअधिकारियों और कर्मचारियों को साधुवाद देती हूँ।

मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में जनता के सशक्तीकरण के लिए नई सोच और नये तरीके अपनाये जा रहे हैं। राज्य सरकार की जनहितकारी पहल तथा योजनाओं के कारण जनता संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उपयोग बेहतर ढंग से कर रही है।

हमारे बच्चे देश का भविष्य हैं। यदि राज्य और देश को सुखी समृद्ध बनाना है तो बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान देना होगा। बच्चे कुपोषण से मुक्त हों, महिलाओं की सौ प्रतिशत प्रसूति

अस्पताल में हो और सब अपनी क्षमता के आधार पर आगे बढें। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ की महिलाओं को मैं आह्वान करती हूं कि आप अपने और परिवार के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का भरपूर उपयोग करें। मैंने छत्तीसगढ में इंदिरा संगीत कला विश्वविघ्दालय में गर्भवती महिलाओं के लिए गर्भ संस्कार का एक नवीन प्रोजेक्ट शुरू करवाया है। बच्चों को गर्भ में ही संस्कार मिले इसके लिए 15 से 20 गर्भवति महिलाओं को इस विश्वविध्दालय में संगीत,कहानियां योग व्यायाम एवं अध्ययन आदि परं चर्चा के द्वारा गर्भ संस्कार दिया जाता है। मैंने उनसे भेंट वार्ता कर उनमें आये परिवर्तन को देखा है।

प्रदेशों के जिलों में भ्रमण के दौरान मैं प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्का मकान पाने वाले हितग्राहियों से मिली हूं। उनके चेहरों पर मैंने खुशी देखी है। दोनों प्रदेशों की काफी महिलाओं से भी मैं मिली हूं जिनको रसोइगेस के कनेक्शन मिले हैं। उनसे बातचीत में मुझे खुशी और उत्साह से वो बता रही थीं कि अब हमें धुआं से छुटकारा मिल गया है और कम समय में रसोई तैयार हो जाने से परिवार और बच्चों के लिए भी ज्यादा समय मिल रहा है। आजीविका मिशन के तहत चलाये जा रहे स्व सहायता समूहों के माध्यम से गांव की महिलाओं में बहुत बडा परिवर्तन आया है। ये महिलाएं जो पहले घर के बाहर निकलने में भी हिचकिचाती थीं आज अच्छी आमदनी प्राप्त कर रही हैं और एक अलग आत्मविश्वास से बात कर सकती हैं।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ दोनों राज्यों में प्रवासन के विकास के लिए भी काफी संभावनाऐं हैं। दोनों राज्य एतिहासिक और पर्यटन की दृष्टि से काफी समृद्ध हैं उसे आगे बढाना चाहिये क्योंकि ऐसे पर्यटन स्थल देखने के लिए बडी संख्या में देश विदेश पर्यटक आते हैं और इसकी वजह से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार की संभावनाएं बढती हैं।

प्रदेश की सर्वाधिक आबादी की आजीविका का साधन खेती-किसानी है इसलिए किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने को राज्य और केन्द्र सरकार ने सबसे पहली प्राथमिकता दी है। दोनों प्रदेशों के किसान भाईयों को सरकार ने कर्ज मुक्त तो कर दिया है, लेकिन साथ में सभी किसान भाईयों को अपने फायदे के लिए ज्यादा से ज्यादा खेती में विज्ञान और टेक्नॉलोजी का उपयोग करने का आग्रह भी मैं करती हूं। सभी किसानों को टेक्नालॉजी का सही उपयोग करने के लिए अच्छे गुणवत्ता के बीज पसंद करने के लिए, ड्रीप इरिगेशन का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने के लिए तथा ऑर्गेनिक खाद और दवाई का यथा योग्य उपयोग करने के लिए अभिनंदन करती हूं। आप सबके अथक परिश्रम को मैं शतःशत प्रणाम करती हूं। इसी की बदौलत मध्यप्रदेश राज्य को लगातार पांच साल से भारत सरकार की ओर से कृषि कर्मण अवार्ड मिल रहा है। मैं आप सबको समझदारी और अथक परिश्रम को शतःशत प्रणाम करती हूं।

प्रदेश की बड़ी जनसंख्या सुदूर वनांचलों में निवास करती है जिनकी आजीविका का प्रमुख साधन लघुवनोपज संग्रहण और बिक्री है। तेंदूपत्ता संग्राहकों तथा विभिन्न लघु वनोपजों से स्थानीय समुदायों की आमदनी में वृद्धि के लिए नये कदम उठाये जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की पारम्परिक पहचान इसके समृद्ध, आत्मनिर्भर और प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण गौरवपूर्ण गांव और गांव आधारित संस्कृति, कला और शिल्प रहे हैं। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की प्रगति में केवल आधुनिक तकनीक ही नहीं परम्परागत कला, लोक ज्ञान और कौशल की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जन भागीदारीयुक्त समृद्ध गांव के सपने को पूरा करने के लिए सरकार ने संकल्प लिया है।

प्रदेशों में उत्तम कानून व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ हमेशा साम्प्रदायिक सदभाव का द्वीप रहा है। साम्प्रदायिक सौहार्द्र और समरसता की इस विरासत को बनाये रखना सरकार की एक और बड़ी जिम्मेदारी है।

प्रदेशों से नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए सरकार कृतसंकल्पित है। इसके लिए नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ित पक्षों से चर्चा की जाए। आदिवासी अंचलों में बुनियादी सुविधाएं जुटाने, लंबित समस्याओं के निराकरण तथा स्थानीय जनता की सुविधा अनुरूप विकास और सुरक्षा का मार्ग अपनाया जाए। स्थानीय आदिवासी लोगों के विरूद्ध दर्ज आपराधिक प्रकरणों की समीक्षा की जाए और निर्दोष लोगों को राहत दिलाने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए।

मुझे विश्वास है कि देश की एकता और अखण्डता की रक्षा तथा गणतंत्र को मजबूत बनाने का जो अभियान चल रहा है, उसमें भी सफलता का कीर्तिमान रचा जाएगा। आप सबके सहयोग से हमारा देश दुनिया में सर्वांगीण विकास की नई मिसाल बनेगा।

जय हिन्द आभार